हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 252 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 28 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

मंदसौर बना मादक पदार्थों की मंडी..!

✲ किसान की भूमिका में तस्कर, उपज की भूमिका में ड्रग्स ✲ मंदसौर से देशभर में सप्लाय होना थी एक करोड़ की हेरोइन ✲ देशभर के तस्करों की होती आमद, मुजफ्फर नगर में पहले ही पकड़ाई

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर की कृषि उपज मंडी राजस्व हो या किसानों को मिलने वाले उपज के दाम, दोनों में ही अव्वल है। यही कारण है कि इसे आदर्श मंडी का दर्जा दिया गया है। लेकिन, समय के साथ मादक पदार्थो की मंडी का निर्माण भी मंदसौर में हो चुका है। यह हम नहीं कह रहे, मंदसौर सहित देशभर की पुलिस और अन्य एजेंसियां कार्रवाई कर कह रही है। भोपाल ड्रग्स कांड के बाद यूपी के मुजफ्फर नगर में हुई कार्रवाई ने एक बार फिर इस पर मुहर लगा दी। जहां एक करोड़ की हेराईन एटीएस ने पकड़ी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह हेरोइन मंदसौर आने वाली थी। इसके बाद यहां से अन्य जगहों पर सप्लाय होना थी। जाहिर सी बात है कि इसके लिए तस्करों का मजमा मंदसौर में लगता।

मणिपुर से मंदसौर पहुंचने वाली थी हेरोइन...

कटिहार में एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव की रहने वाली ललिता देवी को एक करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। मौके से यूपी के तस्कर बलराम चौधरी की भी गिरफ्तारी हुई है। बलराम उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के शिवरामपुर राजपुर का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक, बलराम उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और मणिपुर में मादक पदार्थ का बड़ा रैकेट चलाता है। इन राज्यों में बलराम वांटेड है। दोनों के पास से एक किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है। खेप मणिपुर से लाई गई थी। जिसे ललिता ने अपने शरीर में टेप से चिपकाकर छिपा रखी थी। इस ड्रग्स की डिलीवरी मंदसौर में होनी थी।

जुटने वाले थे विभिन्न राज्यों के तस्कर...

सूत्रों के अनुसार मंदसौर में ही दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा के तस्कर जुटने वाले थे। जिनके बीच हेरोइन की खेप बंटना थी। एटीएस का कहना है कि ललिता देवी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। सरगना बलराम उसे कुरियर एजेंट के तौर पर इस्तेमाल कर रहा था। सरगना एनडीपीएस एक्ट में एक बार पहले भी जैल जा चुका है। ललिता देवी का क्रिमिनल रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। एसटीएफ की ओर से बताया गया है कि दोनों के पास से तीन मोबाइल भी मिले हैं। कॉल डिटेल में कई राज्यों के तस्करों का नंबर मिला है। जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है। दोनों की गिरफ्तारी को लेकर किशनगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। किशनगंज पुलिस की सूचना पर कांटी की टीम ने सिरसिया में छापेमारी की। जहां से पुलिस को कुछ खास बरामद नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि ललिता बैरिया में किराए का मकान लेकर रहती है।

लगातार कार्रवाई, फिर भी पैदा हो गए रिटेलर-होलसेलर...

एमडी ड्रग्स के रिटेलर और होलसेलर भी मंदसौर में पैदा हो गए है। भोपाल में ड्रग्स फैक्टरी कांड ने इस बात को प्रमाणित किया है तो वहीं कुछ दिन पहले इंदौर पुलिस ने देवल्दी गांव के एक आरोपी को ड्रग्स के साथ पकड़ा था। जिसमें उसने तस्करी के लिए मंदसौर-रतलाम रुट का भी खुलासा किया है। इसके अलावा कुछ माह पहले कोतवाली पुलिस ने दो मामलों में पचास लाख की एमडी ड्रग्स के साथ आरोपियों को पकड़ा था। इसमें यह साफ हो गया था कि तस्कर एमडी ड्रग्स को दाउद्धखेड़ी निवासी सफदर खां से 200 ग्राम एमडीएमए ड्रग 1700 रूपए प्रतिग्राम की दर से लेकर आए थे। जिसे मल्हारगढ़ के पास ढाबे पर 2 हजार रूपए प्रति 10 ग्राम की दर से बेचकर मुनाफा कमाना चाहते थे। मतलब साफ है कि पहले जहां डोडाचूरा हाईवे के ढाबों पर पहुंचने की बातें सामने आती थी, वहीं अब एमडी जैसी महंगी ड्रग्स भी पहुंच रही है।

इधर एक और बात सामने आ रही है कि मंदसौर से होते हुए मुंबई और इंदौर जैसे शहरों में एमडी ड्रग्स पहुंच रही है। क्राइम ब्रांच, पुलिस और नारकोटिक्स पुलिस की कार्रवाई भी यही बयां कर रही है। इन कार्रवाइयों में एक नया तस्करी का रूट भी बताया जा रहा है जो इंदौर- मंदसौर-मुंबई है। डोडा चूरा कम तो सबसे अधिक इसमें हेरोइन और एमडीएमए जैसे मादक पदार्थ की तस्करी इसी रूट से हो रही है। ऐसे में इन मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाना जिले की पुलिस के लिए चुनौती भी है।

इसलिए बन रहा मंदसौर मादक पदार्थो की मंडी...

मंदसौर के मादक पदार्थो की मंडी बनने का कारण है कि बड़े शहरों से कनेक्टिवीटी। एमडीएमए और स्मैक सबसे महंगे मादक पदार्थो

में से है। एमडीएमए ड्रग एक सिंथेटिक है। इसका चलन इंदौर मुंबई सहित बड़े शहरों में अधिक है। जिले में दोनों बड़े शहरों की कनेक्टिविटी सडक और ट्रेन मार्ग से अच्छी है। इसको आसानी से छुपाया जा सकता है। इसकी कम मात्रा में भी अधिक नशा होता है और इसकी तस्करी से रुपयों का फायदा भी तस्करों को अधिक होता है। इसलिए तस्करों के द्वारा को बड़े-बड़े शहरों में इसे अधिक खपाया जाता है। इसकी तस्करी भी इंदौर मंदसौर मुंबई रूट पर सालों से की जा रही है। कई बड़ी लाइन से जुड़े थाने सुवासरा शामगढ़ गरोठ भानपुरा ने इसमें के मामले दर्ज किए हैं। इसके अलावा एक्सप्रेस वे और गरोठ-उज्जैन फोरलेन सहित कनेक्टिवीटी के अच्छे संसाधनों के कारण मंदसौर मादक पदार्थो की मंडी बन चुका है।

शक्ति फ्यूल्स पाईट डोसीगांव पम्प संचालक एवं मालिक पर एफआईआर दर्ज

रतलाम, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी राजेश बाथम ने बताया किरतलाम जिले में प्रोटोकोल के लिये वीआईपी गाडि यां प्रदान करने के कार्य हेतु मेसर्स इम्पेक्ट ट्रेवल्स इंदौर अधिकृत है।

उक्त ट्रेवल एजेंसी को गाडियां मय डीजल के अपडेटेड कंडीशन में ड्राईवर सहित प्रोटोकोल हेतु दिया जाना शर्तों में उल्लेखित है। इन गाडियों में डीजल/पेट्रोल भरवाने का दायित्व ट्रेवल एजेंसी का ही है। जिला प्रशासन के द्वारा डीजल/पेट्रोल भरवाने का कार्य नहीं किया जाता है। ऐसी सूचना प्राप्त हुई थी कि मेसर्स इम्पेक्ट ट्रेवल्स इंदौर के द्वारा इनोवा गाडियां रतलाम भिजवाई गई है। इम्पेक्ट ट्रेवल्स इंदौर के द्वारा ही इन गाडियों में मेसर्स शक्ति फ्यूल्स पाईट डोसीगांव रतलाम से डीजल भरवाया गया। यह गाडियां मुख्यमंत्री जी के कारकेड का हिस्सा नहीं थी यह गाडियां अन्य प्रोटोकोल की थी। डीजल डलवाने के पश्चात कुछ दूरी पर जाकर गाडियां बंद हो गई। सूचना प्राप्त होने पर जिला आपूर्ति अधिकारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं तहसीलदार आशीष उपाध्याय के द्वारा मेसर्स शक्ति फ्यूल्स पाईट पहुंचकर जांच की गई।

मेसर्स शक्ति फ्यूल्स पाईट डोसीगांव के मालिक श्रीमती शक्ति बुंदेल पति हेमराज बुंदेल निवासी इंदौर है। पम्प के डेंसिटी और स्टॉक की जांच की गई, जांच समय डीजल का विक्रय पश्चात शेष स्टॉक एवं डीप स्टॉक में अंतर 720 लीटर पाया गया, जो कि मान्य छूट सीमा + 04 प्रतिशत= 426 लीटर से अधिक पाया गया है। ऑटोमेशन डीस्प्ले में डीजल टैंक में वाटर डीप 6.63 ला तथा वाटर 197.43 लीटर होना प्रदर्शित हो रहे है जिससे स्पष्ट है कि डीजल टैंक में पानी मिश्रित हो रहा था। अत: पम्प पर उपलब्ध पेट्रोल 5995 लीटर एवं डीजल 10657 लीटर जप्त किया गया। इझउङके सेल्स आफिसर भी पम्प पर जांच हेतु आये पम्प से डीजल के 3 सेम्पल लिये गये जो कि जांच हेतु BPCL लेब मांगलिया भेजे गये है। पम्प को विधिवत सील किया गया। मेसर्स शक्ति फ्यूल्स पाईट डोसीगांव द्वारा अपमिश्रित डीजल सप्लाई की गई जो कि उसे नहीं करना था। अत: पम्प मालिक एवं संचालक के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज किया जाकर पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र में एफआईआर क्रमांक 512/2025 दिनांक 27/06/2025 को दर्ज कराई गई है।

पशुपतिनाथ के भंडार से निकली 31 लाख से अधिक राशि

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। भूतभावन श्री पशुपतिनाथ महादेव के भंडार से पहली बार 31 लाख से अधिक की धनराशि निकली।

बता दें कि गुरुवार को मंदिर के दानपात्र खोले गए थे। प्रथम दिन की गणना में 22 लाख 15 हजार 200 रूपए गिने गए थे। शुक्रवार को दूसरे दिन की गणना में 09 लाख 33 हजार 800 रूपये निकले। इस तरह दो दिन की गणना में 31 लाख 48 हजार 750 रूपए नगद निकले। इसके अलावा छोटे आयटम 270 ग्राम, सोना 02 ग्राम विदेशी मुद्रा में यूएई का 01 डालर, कनाडा के 05 डालर, नेपाल के 10 रूपये, चीन के 50 का एक, 10 के तीन, 05 व 01 के एक-एक युआन तथा कुवेत का 01 दिनार प्राप्त हुआ।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

पिपलियामंडी, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। पोकरदा (मनासा) निवास इंदरसिंह बंजारा ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि कुर्सीया बेचने का कार्य करता हूं व गुड़भेली किराए के मकान में रहता हूं। रात्रि में बाइक (एमपी 44 एमएम 1370) घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह उठा तो बाइक नही थी। पुलिस ने बाइक चोरी का केस दर्ज किया।

सड़क पर खुले चेंबरों में हो रहे हादसे

[बारिश में खतरा बढ़ा, वीडियो हुआ वायरल]

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के खुले चेंबर और गड्ढे दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। बारिश के समय खतरा और बढ गया है। अभी तक दो बार हुई जमकर बारिश के दौरान हादसे भी सामने आए है। एक और मामला बीती रात सामने आया।

गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक एक्टिवा सवार युवक खुले गड्ढे में जा गिरा। घटना शहर के रेलवे स्टेशन रोड स्थित तिरुपति रेस्टोरेंट के पास हुई। युवक को गड्ढे में देख आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौडे और उसे बाहर निकाला गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। जिले में हुई बारिश के कारण सड़को पर और सड़क की साईडो में पानी भरा है। नगर पालिका द्वारा शहर में लगाए गए लोहे के चेंबर के ढक्कन कई जगहों पर खुले पड़े है। यही वजह है कि ये हादसा हुआ। हालांकि युवक सुरक्षित है।

खुले चेंबरों को तुरंत ठीक कराने की मांग...

स्थानीय लोगों ने नगरपालिका और अन्य संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि बारिश के मौसम को मद्देनजर रखते हुए सभी खुले चेंबरों को तुरंत दुरुस्त किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं टाली जा सकें। बता दें कि गुरुवार शाम को मंदसौर सहित आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुक कर लगभग ढाई घंटे बारिश हुई। इससे नयापुरा रोड, रेलवे स्टेशन एरिया, संजीत नाका और शुक्ला चौक जैसे क्षेत्रों की सड़क ने नाले का रूप ले लिया था।

बीपीएल चौराहे का नाला दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण...

शहर के प्रमुख बीपीएल चौराहा पर स्टेडियम होते हुए स्टेशन जाने वाले मार्ग पर खुला नाला दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। यह नाला काफी समय से खुला है, जिसका निर्माण चलते हुए भी लंबा समय बीत गया है। ऐसे में समय रहते नाले का निर्माण पूर्ण कर लोगो को दुर्घटना से राहत देना चाहिए। यहां खुले नाले के चारो तरफ बैरिकेट लगाकर भी लोगो को सावधान किया जाना चाहिए।

कुएं में तैरता मिला नवजात का शव, गांव में सनसनी

सीतामऊ, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार शाम सीतामऊथाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। महुवी गांव में एक खुले कुएं में नवजात शिशु का शव तैरता हुआ मिला, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सीतामऊपुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकाला गया। बाद में शव का पंचनामा बनाकर सीतामऊसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सीतामऊथाना प्रभारी कार्यवाहक निरीक्षक मोहन मालवीय ने बताया कि 'यह शव एक लावारिस कुएं से बरामद हुआ है। फिलहाल यह स्पष्टनहीं हो पाया है कि शिशु को किसने और क्यों कुएं में डाला। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।' ग्रामीणों के अनुसार, यह कुआं काफी समय से खुला पड़ा था और आमतौर पर यहां किसी का आना-जाना नहीं होता। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि शिशु की मृत्यु जन्म के समय हुई या उसके बाद किसी कारणवश उसे कुएं में फेंका गया।

रतलाम रीजनल राइज इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव में 1670 करोड़ का निवेश

3780 लोगों को मिलेगा रोजगार, सीएम ने की निवेशकों से बात

रतलाम/मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में 8वीं रीजनल राइज इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव रतलाम में हुई। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कॉन्क्लेव में सिंगल क्लिक के माध्यम से 1670 करोड़ रुपए से अधिक निवेश की 47 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इनके माध्यम से 3780 से ज्यादा नए रोजगार पैदा होंगे। सीएम ने सागर, रीवा समेत कुछ और जिलों के निवेशकों से सीधे संवाद भी किया। शहर के नेहरू स्टेडियम में रीजनल इंडस्ट्रीज, स्किल एंड एंप्लॉयमेंट (राइज) कॉन्क्लेव का आयोजन हो रहा है। मंच पर सीएम के साथ एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पांचों विधानसभा के विधायक और सांसद मौजूद थे। इसमें देशभर के 3500 से अधिक उद्योगपति और निवेशक शामिल होने आए हैं।

इस अवधर पर मंत्री चैतन्य काश्यप ने संबोधित करते हुए कहा, यह कॉन्क्लेव प्रदेश की उन्नति में सहायक होगा। उद्योगों से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। यह कॉन्क्लेव रतलाम को प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

भाजपा के नए जिला कार्यालय का भूमिपूजन...

इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने भाजपा के नए जिला कार्यालय का भूमिपूजन किया। यह कार्यालय प्रतापनगर के पास बनना है। बता दें कि रतलाम में वर्तमान में भाजपा का कार्यालय पैलेस रोड पर है, जो काफी छोटा है। पार्टी का नया कार्यालय बनाने को लेकर भाजपा ने 67 लाख 36 हजार रुपए में जमीन खरीदी है। पांच माह पहले इसकी रजिस्ट्री कराने प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी रतलाम आए थे। 24 हजार 600 वर्ग फीट में बनने वाले पार्टी के नए जिला कार्यालय की डिजाइन भी लगभग तैयार हो चुकी है।

दो साल पुराने मामले में दो हत्यारों को उम्र कैद

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश मुनेन्द्र सिंह वर्मा सीतामऊ की अदालत ने हत्या के आरोपी जुझारलाल उर्फ लाला पिता भगवानलाल सुर्यवंशी उम्र 35 वर्ष एवं धन्ना उर्फ धनराज उर्फ समरथ पिता ईश्वरलाल सुर्यवंशी उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी टोंकडा थाना सुवासरा को धारा 302 भा.द.वि. में सश्रम आजीवन कारावास व जुर्माने से दण्डित किया।

अभियोजन के अनुसार 16 जून 2023 को मृतक बनेलाल के बच्चे राधा, माया एवं दीपक घर में कमरे में सोये थे तथा बनेलाल घर के बाहर खाट पर सोया था। रात्रि करीब 03.00 आरोपी जुझारलाल उर्फ लाला एवं धनराज उर्फ समरथ उन्हें हाथ में हथियार लेकर लेकर भागते हुए दिखे तथा बनेलाल बेसुध अवस्था में था एवं उसके चेहरे में चोट लगकर खून निकल रहा था। उसकी भतीजी राधा ने 100 नंबर डायल कर पुलिस को बुलाया एवं बनेलाल को पुलिस गाडी में लेकर सरकारी अस्पताल सुवासरा गये जहां डॉक्टर द्वारा बनेलाल को मृत घोषित कर दिया गया। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। अनुसंधान की संपूर्ण औपचारिकता पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अनुसंधान की संपूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय द्वारा की गई। अनुसंधान में सहयोग प्रधान आरक्षक मनीष लबाना, दिलीप नागर, आरक्षक मोकम सिंह एवं जुगल किशोर द्वारा किया गया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से प्रस्तुत तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर जुझारलाल उर्फ लाला पिता भगवानलाल सुर्यवंशी उम्र 35 वर्ष एवं धन्ना उर्फ धनराज उर्फ समरथ पिता ईश्वरलाल सुर्यवंशी उम्र 20 वर्ष दोनों निवासी टोंकडा थाना सुवासरा को धारा 302 भा.द.वि. में सश्रम आजीवन कारावास व जुर्माने से दण्डित किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक विजय कुमार पाटीदार (गरोठ-सीतामऊ) एवं एडीपीओ एसआर गरवाल द्वारा किया गया।

सेल्समेन को पीटा

पिपलियामंडी, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर सेल्समेन के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया। आक्यापालरा निवासी श्यामसिंह पिता किशोरसिंह राजपूत ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं शासकीय उचित मूल्य दुकान चीताखेड़ी में सेल्समेन हूं। दुकान पर आक्यापालरा निवासी बापूलाल पिता मोहनलाल मोगिया राशन लेने आया। मैंने बापूलाल के दोनों बेटों की केवायसी नही होने पर राशन नही मिलने के बात कही तो उसने गाली-गलौज की व मारपीट की। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया।

जय जगन्नाथ

जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अवसर पर मंदसौर के जीवागंज स्थित जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथ यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने भाग लिया।

स्कूल खुलने के पहले महीने में विद्यार्थियों को मिलेंगे साइकिल-लेपटॉप

भोपाल, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। विद्यार्थियों को लेपटॉप और साइकिल जुलाई के पहले ही हफ्ते में मिलने वाले हैं। सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि 04 जुलाई से पहले स्कूटी, साइकिल और लेपटॉप के पात्र छात्रों का डेटा इकट्ठा कर शिक्षा पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए।

बता दें कि मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत सरकार हर साल 12वीं बोर्ड की परीक्षा में टॉप करने वाले छात्रों को लेपटॉप और स्कूटी देती है। वहीं, कक्षा 6वीं से 9वीं तक के छात्रों को साइकिल दी जाती हैं। 2023-24 सत्र के छात्रों को एक साल बाद फरवरी 2025 में सरकार ने स्कूटी और लेपटॉप दिया था। निशुल्क साइकिल वितरण योजना के

[लुधियाना की साइकिल चलाएंगे स्कूली बच्चे]

तहत कक्षा 6वीं और 9वीं में प्रवेश लेने वाले पात्र विद्यार्थियों को पढ़ाई में सहूलियत के लिए साइकिल दी जाती है। यह फायदा ऐसी छात्राओं को भी मिलता है, जिनके छात्रावास और स्कूल के बीच की दूरी 02 किमी या उससे अधिक है। अधिकारियों ने बताया कि विद्यार्थियो के लिए साइकिल लुधियाना से मंगाई गई हैं। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि साइकिल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

चार जुलाई को बांटे जाएंगे साइकिल और लेपटॉप...

बारहवीं के ऐसे छात्र जिन्होंने 75 फीसदी से ज्यादा नंबर हासिल किए हैं, उन्हें लेपटॉप मिलेगा। जबकि, हर सरकारी स्कूल के टॉपर को स्कूटी मिलेगी। स्कूल शिक्षा विभाग के एक अफसर ने बताया कि जो डेटा इकट्ठा किया जा रहा है, उसमें छात्र का नाम, बैंक का नाम, अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोड का पता कर रहे हैं। 04 जुलाई से पहले इन सभी छात्रों का डेटा शिक्षा पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा। विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को संबंधित छात्रों के बैंक खाते अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह 6वीं से 9वीं के ऐसे छात्र, जिन्होंने पहली बार एडमिशन लिया है, उन्हें साइकिल दी जाएंगी। ऐसे छात्रों की संख्या करीब 04 लाख 30 हजार है। अफसरों के मुताबिक 04 जुलाई को भोपाल के मिंटो हॉल में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लेपटॉप और साइकिल बांटेंगे।

12वीं के टॉपर्स को मिलेगा लेपटॉप...

मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं की परीक्षा में 75 फीसदी और उससे ऊपर नंबर लाने वाले छात्र-छात्राओं को लेपटॉप दिया जाता है। इसके लिए सरकार की तरफ से 25 हजार रुपए की एकमुश्त राशि दी जाती है। स्टूडेंट को अपनी पसंद का लेपटॉप खरीदकर उसका बिल संबंधित स्कूल के प्रिंसिपल को देना होता है। प्रिंसिपल इसे आगे फॉरवर्ड करते हैं।

कब मिलेगी स्कूटी..?

सरकार की तरफ से स्कूटी देने के अभी आदेश जारी नहीं किए गए हैं। वहीं, सूत्रों का कहना है कि इस बात की संभावना है कि 04 जुलाई को ही स्कूटी भी बांट दी जाए। यह जुलाई के दूसरे हफ्ते में दी जा सकती हैं मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं परीक्षा में अपने-अपने सरकारी स्कूल में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को स्कूटी दी जाती हैं। यदि स्कूल को-एड है, तो एक छात्र और एक छात्रा को स्कूटी मिलती हैं। छात्रों के पास पेट्रोल या ई-स्कूटी दोनों खरीदने का ऑप्शन होता है। ई-स्कूटी के लिए एक लाख पचीस हजार तो पेट्रोल स्कूटी के लिए 90 हजार से एक लाख रुपए दिए जाते हैं।

विचार-मंथन

भारत की नीति पर पूरी दुनिया को अमल करना चाहिए

ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन तक चला युद्ध आखिरकार शांत हो गया है। इससे पहले पिछले महीने भारत और पाकिस्तान के बीच चला सैन्य टकराव भी तीन-चार दिनों में ही थम गया था। मगर इजराइल और हमास के बीच अक्टूबर 2023 से और रूस तथा यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से ही युद्ध जारी है। देखना होगा कि वहां पर कब शांति आती है। वैसे इन सारे संघर्षों का विश्लेषण करेंगे तो एक बात उभर कर सामने आती है कि भारत की नीति पर पूरी दुनिया को अमल करना चाहिए क्योंकि यही स्थायी शांति का सबसे सटीक फॉर्मूला है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुरुआत से कहते रहे हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं निकल सकता। बातचीत और कूटनीति ही समाधान निकलने का एकमात्र रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी कहते रहे हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी साथ ही यह भी कहते हैं कि हम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर कोई हमको छेड़ेगा तो उसे छोड़ेंगे नहीं, इस नीति के माध्यम से वह पाकिस्तान को उरी हमले, पुलवामा हमले और पहलगाम हमले का करारा जवाब दे चुके हैं। देखा जाये तो दुश्मन को सबक सिखाने का मोदी का जो फॉर्मूला है वह अधिक प्रभावकारी है। हाल ही में जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तो पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी ठिकानों पर ही कार्रवाई की गयी थी। भारत ने अपने बयान में साफ कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाइयां सटीक, लक्षित और गैर-उकसावे वाली थीं। इसका मतलब है कि हमलों को सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और सीमित रखा गया था और उनका उद्देश्य केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तान के आम अवाम को नुकसान पहुँचाना था। इसी मोदी मॉडल पर चलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर लक्षित कार्रवाई करते हुए सिर्फ उसके तीन बड़े परमाणु ठिकानों को ही उड़ाया। इसके अलावा, जिस तरह पाकिस्तान के डीजीएमओ के संघर्षविराम प्रस्ताव को

मानते हुए भारत भी शांति के लिए राजी हो गया था उसी प्रकार ट्रंप भी ईरान और इजराइल की ओर से संपर्क किये जाने पर दोनों को युद्धविराम के लिए समझाने में सफल रहे। देखा जाये तो आज का युग लड़ाई पूर्ण युद्ध का नहीं है अगर कोई देश किसी अन्य देश की संप्रभुता पर हमला करता है तो उसका जवाब लक्षित कार्रवाई से ही दिया जाना चाहिए क्योंकि पूर्ण युद्ध दोनों पक्षों के लिए तो विनाश लाता ही है साथ ही दुनिया पर भी इसका विपरीत असर पड़ता है। इस समय जो युद्ध दुनिया में चल रहे हैं या जिनमें युद्धविराम हो गया है वह भी यही संदेश दे रहे हैं कि बड़ी शक्तियों को छोटे देशों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उदाहरण के लिए- अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सैन्य बेस पर हमला करने की अपनी क्षमता साबित कर दुनिया को अपनी ताकत दिखा दी है। रूस ने यूक्रेन को सप्ताह भर में ही अपना बना लेने का सपना देखा था लेकिन युद्ध को साढ़े तीन वर्ष हो चुके हैं और कोई बड़ी सफलता दोनों पक्षों को अब तक नहीं मिली है। इसी प्रकार इजराइल ने हमास को भले घुटनों के बल ला दिया हो लेकिन अक्टूबर 2023 से अब तक निरंतर किये जा रहे हमलों के बावजूद वह गाजा पर पूरी तरह कब्जा नहीं कर सका है और अपने कई बंधकों को भी हमास की कैद से नहीं छुड़ा सका है। इसी प्रकार भारत ने भले ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया हो लेकिन पाकिस्तान ने तुर्की, चीन और अजरबैजान जैसे अपने सहयोगियों से मिली मदद की बदौलत पलटवार करने की हिम्मत दिखाई। बहरहाल, उक्त उदाहरणों को देखते हुए यह जरूरी हो जाता है कि विश्व में शांति के लिए सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात मानें और युद्ध के मैदान से नहीं बल्कि बातों की टेबल पर मुद्दों का हल निकालें। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया में स्थायी शांति का अगर कोई फॉर्मूला है तो वह मोदी फॉर्मूला ही है जिस पर अब ट्रंप भी चलने लगे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए।

ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार!

अशोक मधुप

अमेरिका के दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने को दुनिया का शांति का अग्रदूत साबित करने में लगे हैं। वे कहते रहे हैं कि भारत-पाकिस्तान युद्ध उनके कहने पर रुका। रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए वे प्रयासरत है। वे चाहते हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिले, उधर वह ईरान पर हमला करते हैं। कहते हैं कि उन्होंने बड़ा काम किया है। इससे इजरायल-ईरान युद्ध रुक जाएगा। उनकी करनी और कथनी में जमीन आसमान का फर्क दिख रहा है और लग रहा है कि इस हालात में तो उन्हें शांति के लिए नोबेल पुरस्कार नहीं मिलने वाला। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमला करके एक नया युद्ध शुरू कर दिया है। ऐसे में तो उन्हें इस तरह की सफलता के साथ ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आए हैं। पूरे चार वर्ष हैं उनके पास। वे अपने दुश्मनों से दोस्तों को लड़ाकर रास्ते पर रहें या हट जाएं, उनकी राष्ट्रपति वाली कुर्सी पर कोई फर्क नहीं पड़ता। रूस और ईरान अमेरिका के परंपरागत शत्रु हैं। उन्होंने नाटो देशों के साथ मिलकर यूक्रेन को ताकतवर रूस से भिड़ा दिया, इससे यूक्रेन तो बर्बाद हो ही गया। रूस की भी बड़ी शक्ति इस लड़ाई में व्यय हो रही है। हाल ही में अमेरिका ने ईरान के तथाकथित तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया। ट्रंप कह रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु बम है। परमाणु बम बनाने वाले तीनों केंद्रों पर उन्होंने हमला किया है, जबकि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तुलसी गैबार्ड कह रही हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं है। पुतिन बता रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं है। अमेरिका ने ही इजरायल से कहा कि यहूदियों का खात्मा करने के

लिए ईरान ने परमाणु बम बना लिया है, यह कह कर उसने इजरायल को ईरान से भिड़ा दिया । अमेरिका के इस हमले के बाद रूस और चीन का क्या रवैया रहेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ, हो सकता है कि यह खुल कर ईरान के साथ न आएं किंतु युद्ध सामग्री और तेजी से ईरान को उपलब्ध कराएंगे। ईरान की जरूरत के घातक हथियार उसे बेचेंगे। किंतु अगर ये खुलकर सामने आ गए तो है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध में बदल सकता है। लगता है कि ट्रंप ने ईरान में हमला करके पूरे विश्व की शांति को खतरे में डाल दिया। इससे सारे मुस्लिम देश एक मोर्चे पर आ जाएंगे। उम्मीद है कि इस हमले के बाद यमन के मुस्लिम आतंकी संगठन अमेरिका के विरुद्ध एकजुट हो जाएंगे। अमेरिका ने रूस को तोड़ने के लिए ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकी को इस्तेमाल किया। उन्हें प्रश्रय दिया। अमेरिका के इराक पर हमले से लादेन नाराज हो गया। उसने अमेरिका के ट्रेड सैंटर पर हमला कर इसका बदला लिया। अब फिर मुस्लिम आतंकी संगठन एक हो अमेरिका के विरुद्ध खड़े हो जाएंगे। इस क्षेत्र में ईरान के सहयोगी मिलीशिया, जिनमें यमन में हूती, लेबनान में हिजबुल्ला और इराक के सशस्त्र समूह, लड़ाई में शामिल नहीं हुए हैं। पिछले दो साल में उनमें से कई गंभीर रूप से कमजोर हो गए हैं, फिर भी वे ईरानी सहयोगी लड़ाई में शामिल हो सकते हैं। इस्लामिक आतंकी संगठन हूती और लेबनान में हिजबुल्ला ने दक्षिण में एक महत्वपूर्ण तेल शिपिंग चैनल, रेड सी और बाब एल मंडेब जलडमरूमध्य पहले भी इजरायल समर्थक कटेनर ले जाने वाले जहाज पर पहले भी हमला कर चुके हैं। अब ये जलडमरूमध्य को बंद करके या उसमें यातायात को बाधित करके वैश्विक तेल की कीमतों में तेजी जरूर पैदा कर सकते हैं, जो अब अमेरिकी हमले के बाद और ऊँची जाएगी। यहां से गुजरने वाले अमरिकी समर्थक देशों के शिपिंग कंटेनर पर ही नहीं और भी अमेरिकी समर्थक देशों पर हमले और बढ़ेंगे। जहां तक भारत का सवाल है, इजरायल और ईरान दोनों भारत के घनिष्ट मित्र हैं। भारत का प्रयास होगा कि युद्ध रुके। भारत रूस-यूक्रेन युद्ध के समय से ही कहता आ रहा है कि यह समय युद्ध का नहीं है। ट्रंप भी अब तक भारत के सबसे बड़े मित्रों में से एक थे। लेकिन ट्रंप ने अपने स्वार्थों की खातिर भारत के दुश्मन पाकिस्तान से हाथ मिला लिया। पाकिस्तान से हाथ मिलाने का उसका मंतव्य भी स्पष्ट हो गया। सूचनाएं आ रही है कि ईरान पर हमले के लिए उसने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तमाल किया। ट्रंप ने हजारों करोड़ डॉलरों का लालच देकर पाकिस्तान को इस्लामिक जगत में नंगा कर दिया और पाकिस्तान को पता भी न चला? यह तय है कि इसमें बाद अमेरिका पाकिस्तान को और ज्यादा मदद देगा, विमान और शस्त्रों की आपूर्ति करेगा। भारत जो अब तक अमेरिका से आधुनिकतम लड़ाकू विमान और शस्त्र प्रणाली खरीदने की बात कर रहा था। उसे इस घटनाक्रम से चौकस होना होगा। यही वजह है कि भारत अब रूस से 5.5 जनरेशन के फाइटर प्लेन खरीदने की तैयारी में है। यही विमान अमेरिका हमें बेचना चाहता था। भारत पहले ही अपने शस्त्र और युद्धक विमान विकसित कर रहा था, उसे अब और चौकस होकर देश की सुरक्षा की रणनीति बनानी होगी। ईरान ने अभी तक इजरायली हमलों का जवाब मिसाइल-प्रहारों से दिया है, लेकिन उसने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों या ठिकानों पर हमला करने से परहेज किया है। उसने सऊदी अरब या संयुक्त अरब अमीरात जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोगी अरब देशों पर भी हमला नहीं किया है। शुक्रवार को ईरानी विदेशमंत्री अब्बास अराग़ची ने कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करेगा, तो देश को जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है। ऐसे में यदि ईरान अमेरिका और मित्र देशों पर हमला करता है तो युद्ध भड़क सकता है। एक बात और पूरी दुनिया के देशों को सोचना होगा कि क्या किसी एक देश को ये ठेकेदारी दी जा सकती है कि वह तै करे कि कौन देश कौन सा हथियार रखेगा, कौन सा नहीं। प्रत्येक देश को अधिकार है कि यह अपनी देश की जरूरत के हिसाब से हथियार खरीदे और विकसित करें। अमेरिका और मित्र देश नहीं चाहते थे कि भारत परमाणु बम बनाए। वह उसे आर्थिक प्रतिबंध लगाने के लिए धमका रहे थे। उसके बाद भी भारत ने परमाणु बम का विस्फोट किया था। इसके बाद अमेरिका और मित्र देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। ऐसा ही भारत के रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीदते हुआ था। अमेरिका ने भारत को बार-बार आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। उधर भारत ने अमेरिका से लड़ाकू विमान के इंजन लेने का सौदा किया, किंतु निर्धारित अवधि के काफी बाद भी भारत को इंजन नहीं मिले। इससे साफ हो जाता है कि भारत को अपनी सुरक्षा के लिए ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी तो अमेरिका के दुश्मन देश की हो। यह भी कि उसे अपनी सुरक्षा प्रणाली विकसित करने पर युद्ध स्तर पर काम करना होगा।

तेज बारिश के बाद उफान पर आया केदारेश्वर कुंड का झरना

रतलाम जिले में गुरुवार शाम गरज-चमक के साथ कई स्थानों पर धुआंधार वर्षा हुई। इससे नदी-नाले उफान पर आ गए। कई रास्ते अवरुद्ध हो गए। तेज बारिश के कारण बड़े केदारेश्वर कुंड का झरना पूरे उफान पर है। झरने की तेज गति सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

प्रदेश में हमारे शिक्षक प्रणाली का ट्रायल क्रियान्वयन 30 तक

लोकसेवकों का सर्विस रिकार्ड हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर होगा संधारित

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रकार की शासकीय प्रक्रियाओं के पारदर्शी रूप से संचालन के लिये एजुकेशन पोर्टल 3.0 का विकास किया है। इस पोर्टल पर शिक्षकों की सुविधा के लिये 'हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस' प्लेटफार्म विकसित किया गया है। अब शिक्षा विभाग से जुड़े सभी लोकसेवकों का सर्विस रिकार्ड इस प्लेटफार्म के माध्यम से संधारित किया जाएगा। विभाग हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर शिक्षकों को कई सुविधाएं चरणबद्ध रूप से उपलब्ध करायेगा।

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस प्रणाली- हमारे शिक्षक डिजिटल प्रणाली का क्रियान्वयन ट्रायल परीक्षण के रूप में प्रदेश भर में 23 जून से शुरू हो गया हैयह ट्रायल राउण्ड 30 जून तक किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में ई-अटेंडेंस प्रणाली को अभिक्रमित करते हुए एक जुलाई से इसका वास्तविक क्रियान्वयन प्रारंभ हो जायेगा। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से आने वाले समय में शासकीय सेवकों के स्वत्वों से संबंधित आवेदन इस प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसी के बाद उनके हितलाभ संबंधित जानकारी का संधारण तथा व्यक्तिगत लाभ और स्वत्वों आदि के भुगतान का क्रियान्वन भी किया जाएगा।

इस प्लेटफार्म पर अवकाश स्वीकृति एवं अवकाश लेखों का संधारण, क्रमोन्नति एवं समयमान वेतन का लाभ, वेतन वृद्धि लाभ, परिवीक्षा अवधि, शिक्षकों की प्रशिक्षण की उपस्थिति संधारित कर पात्रता अनुसार अवकाश सुरक्षित करना तथा पेंशन स्वत्वों आदि का भुगतान संधारित कर निराकरण की कार्यवाही की जाएगी। जिन स्कूलों में कार्यरत समस्त शिक्षक नियमित रूप से हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करेंगे उन स्कूलों का निरीक्षण वरिष्ठअधिकारी द्वारा अनुमति उपरांत ही किया जा सकेगा। जो शिक्षक डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग करेंगे ऐसे सभी शिक्षकों के सेवा अभिलेख में इस तथ्य को विशेष उपलब्धि के रूप में दर्ज किया जाएगा। भविष्य में ऐसे स्कूलों तथा शिक्षकों के लिये सेवा काल में विशेष प्रावधान किये जायेंगे। शासकीय सेवक द्वारा हमारे शिक्षक प्रणाली एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करने की सुविधा दी गई है। हमारे शिक्षक प्रणाली में शिक्षकगण स्कूल में उपस्थिति के अलावा प्रशिक्षण में भी रहने के बाद इस प्लेटफार्म पर उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन स्कूल प्रारंभ होने के निर्धारित समय के एक घंटे तक उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। स्कूल बंद होने के समय से आधे घंटे पूर्व से स्कूल से वापसी की उपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। स्कूल में शिक्षकों को पाली का समय चुनने का विकल्प भी दिया गया है। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात उपस्थिति दर्ज करने पर अर्द्धदिवस का आकास्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा। इस आदेश के संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी लोकसेवक ऑनबोर्ड होकर स्कूल में हमारे शिक्षक प्रणाली पर अवकाश और उपस्थिति दर्ज किया जाना सुनिश्चित कर रहे हैं।

पौधरोपण करके हम अपने बच्चों के लिये स्वस्थ जीवन की राह आसान कर रहे है-गुर्जर

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण के प्रति जागरूकता से हम अपना वर्तमान तो संवार ही रहे हैं साथ ही अपने नौनिहालों के भविष्य के लिये भी कार्य कर रहे हैं। आज हमारे द्वारा लगाया गया एक पौधा भविष्य में वृक्ष बनकर हमारी आने वाली पीढ़ियों को फल भी देगा और ऑक्सीजन प्रदान कर स्वस्थ जीवन भी देगा। जिस प्रकार हम अपने बच्चों के लिये धन संचय करके जाते हैं उसी प्रकार पौधारोपण करके हम अपने बच्चों के लिये स्वस्थ जीवन की राह आसान करते जा रहे हैं। सीए एसोसिएशन द्वारा पर्यावरण की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भी राजेश गुर्जर ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने बताया कि प्रति वर्ष सीए एसोसिएशन द्वारा पौधारोपण कर उनकी देखभाल भी की जा रही है। एसोसिएशन के सभी सदस्य लगाये गये पौधों को बड़ा करने में अपना सक्रिय योगदान प्रदान करते आ रहे हैं। इस प्रकल्प में सीए समुदाय के सभी सदस्यों, परिवारजनों व विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। पौधारोपण कार्यक्रम में सीए विनय अग्रवाल, सीए नितेश भदादा, सीए अर्पित नागर, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए अर्पित मेहता, सीए मयंक जैन, सीए योगेन्द्र जैन, सीए आयुष जैन, सीए रचित जैन, सीए गौरव गुप्ता, श्रीमती मनीषा मंडवारिया, श्रीमती निकिता भदादा, दिलीप जैन, स्वास्ति, खुशी, प्रेक्षा, नंदिनी, मोनिका, अक्षत, विवेक, रिशिका, महक, छवि आदि की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संयोजन सीए आशीष जैन ने किया। आभार प्रदर्शन सीए नितेश भदादा ने किया।

आदर्श ग्राम पिपलिया कराड़िया में ग्राम विकास को लेकर सेक्टर बैठक संपन्न

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड जिला मंदसौर जन अभियान परिषद के जिला समन्वय तृप्ति बैरागी के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था आदर्श ग्राम पिपलिया कराड़िया में बैठक का आयोजन किया गया श्रीमति बैरागी ने आदर्श ग्राम समिति के सदस्यों ग्राम विकास प्रस्थान समिति के सदस्य के साथ बैठक कर आगे की कार्य योजना बनाई बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जो संस्था ने कार्य किया उसकी सरहाना की आगे हम एक पेड मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाए और समाज जन को जागरूक करें हमें पर्यावरण और जल पर कार्य करना है और जल दूत वॉलेंटियर बनाना है गांव में स्वच्छता एवं साफ सफाई की विशेष ध्यान रखा जाए साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओं और युवाओ को अधिक से

अधिक जोडे और हमें गांव की नदी नाले और प्राचीन बावड़ियों को स्वच्छ और साफ करना है, ताकि आने वाला समय हमारे लिए और हमारे बच्चों के लिए सुरक्षित बने बैठक के बाद वाटिका में पौधारोपण किया गया कार्यक्रम में संचालन दिनेश सोलंकी ने किया कार्यक्रम में उपस्थित सहायक सचिव संजय सेठिया, आंगनवाडी कार्यकर्ता पूर्णिमा चौधरी, मंगला सोनी, जन अभियान परिषद से दशरथ नायक,राजू प्रजापत, शिक्षा विभाग से नागुलाल तेनालीवाल, गांव के वरिष्ठ बलराम जाट, मांगीलाल वसिटा, विवेक पाटीदार, रामप्रसाद पाटीदार, गुलाब सिंह, रणजीत सिंह, नरवर सिंह, सरवन वसिटा, महेश पाटीदार ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से शांतिलाल पाटीदार, भगत सिंह एवं गांव के कई नागरिक उपस्थित रहे आभार परामर्शदाता उषा सोलंकी ने माना।

सभी विभागों में एक साथ ई अटेंडेंस लागू करे सरकार

शिक्षकीय गरिमा के खिलाफ ई अटेंडेंस के विरोध में आज राज्य शिक्षक संघ मप्र जिले के सभी विकासखण्डों में देगा ज्ञापन

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। केवल शिक्षक संवर्ग हेतु ई अटेंडेंस व्यवस्था लागू करना समाज में ऐसा संदेश देता है कि शिक्षक कर्तव्य के प्रति लापरवाह और गैरजिम्मेदार है। राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश ने ऐसे कुप्रचार को फैलाने वाली ई अटेंडेंस व्यवस्था को सिर्फ शिक्षकों के लागू किए जाने को अन्यायपूर्ण बताया। जिसके विरोध में आज राज्य शिक्षक संघ म.प्र. प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम मंदसौर जिले के सभी विकासखण्डों में ज्ञापन देगा।

संघ के प्रांताध्यक्ष जगदीश यादव व प्रांतीय महासचिव दिनेश शुक्ला ने बताया कि ऐसी व्यवस्था लागू करना सरकार का हक है पर इसे मध्यप्रदेश के समस्त विभागों के समस्त कर्मचारियों/अधिकारियों पर एक साथ लागू किया जाना चाहिए।संघ ने सरकार को चेताया कि गुरु परंपरा को खंडित करने वाली इस योजना में प्रदेश का शिक्षक संवर्ग तब तक शामिल नहीं होगा जब तक यह केवल उनके लिए है। श्री यादव व श्री शुक्ला ने कहा कि विगत दिवस मध्य प्रदेश के 10वीं एवं 12वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम में सरकारी स्कूलों के बेहतर प्रदर्शन से उत्साहित मुख्यमंत्री जी ने शासकीय शिक्षकों एवं विद्यालयों की तारीफों के पुल बांधे थे और कुछ दिन गुजरते ही केवल उनके लिए ही अटेंडेंस योजना लागू करना शिक्षकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगता है ।संघ ने चेताया कि सरकार को समाज में गुरु के सम्मान के बने स्तर को खंडित करने वाले किसी भी कदम को उठाने से बचना चाहिए। श्री यादव व श्री शुक्ला ने बताया कि राज्य शिक्षक संघ ने आज 28 जून को मध्य प्रदेश के समस्त विकासखंड स्तर पर ई अटेंडेंस योजना को प्रदेश के समस्त विभागों में एक साथ लागू करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है।

इसी तारतम्य में आज मंदसौर जिले के सभी विकास खंडों में मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी गणों को शिक्षकों द्वारा ज्ञापन दिया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से आग्रह किया जाएगा कि वह जब तक अन्य विभागों में ई अटेंडेंस योजना प्रारंभ नहीं हो सकती तब तक शिक्षा विभाग में इसे स्थगित किया जाए। अत: सभी शिक्षकगण अपने-अपने विकासखण्डों में दिये जा रहे ज्ञापन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला उपाध्यक्ष नेपालसिंह राणावत ने दी।

गौवंश का अवैध परिवहन करने वाले आरोपी को 06 माह का सश्रम कारावास

नीमच, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। अंकित जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच द्वारा गौवंश का अवैध परिवहन करने वाले आरोपी हकीम पिता बाबू खां कुरैशी, किदवई गली, नीमच सिटी, जिला-नीमच को धारा 6/9 मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 के अंतर्गत 06 माह के सश्रम कारावास व 5000 रूपये अर्थदण्ड एवं धारा 3/181 मोटर यान अधिनियम, 1988 के अंतर्गत 500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्रीमती कीर्ति शर्मा द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 7 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 27.07.2018 को रात्री के लगभग 11 बजे पुरानी नगर पालिका स्थित पशुहाट मैदान, नीमच की हैं। पुलिस थाना नीमच कैंट में पदस्थ एएसआई कैलाश राठौर द्वारा टेलीफोन पर प्राप्त सूचना के आधार पर वह तस्दीग हेतु पशुहाट मैदान गये जहाँ एक टैम्पो लावारीस हालात में खडा हुवा था, जिसके दोनो खीडकीयों के काँच टुटे हुवे थे और वाहन के कोई दस्तावेज भी वाहन में नहीं थे। वाहन का पिछला हिस्सा काले रंग के पास से ढका हुवा था, जिसको खोलने पर उसमें 03 बैल और एक बछड़ा को ठूंस-ठूंस कर भरा हुवा था। मौके से गौवंश और पीकअप वाहन को जप्त किया कर अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना में यह पता चला की आरोपी उसके वाहन से गौवंश का अवैध परिवहन कर रहा था, जिससे उसको गिरफ्तार किया जाकर शेष आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में पंचसाक्षी एवं विवेचक सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी एडीपीओं श्रीमती कीर्ति शर्मा द्वारा की गई

2041 तक के मास्टर प्लान के लिए बैठक हो गई..! लेकिन, तेलिया तालाब का भविष्य क्या होगा, नहीं बताया..?

बताया तो यह भी नहीं कि 2041 तक 06 लाख से अधिक की जैसी मानी गई जनसंख्या के समय पीने के पानी की और यातायात की जटिल समस्या का क्या होगा..?

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के मास्टर प्लान को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। चर्चा जब से सुन रहे हैं तब से लेकर अभी तक तो शायद दूसरी बार मास्टर प्लान बन जाता। अभी कवायद चल रही है और अभी हाल ही उसको लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक मंदसौर के कलेक्टोरेट में भी हो गई है ।इस मास्टर प्लान में आखिर होगा क्या।यह हर किसी की जूबान पर हो तो अशचार्य नहीं होगा। मंदसौर की अभी कोई डेढ लाख की आबादी को शासन पर्याप्त पीने का पानी उस स्थिति में उपलब्ध नहीं करवा पा रहा हे जब इसके लिए कोई 100 करोड रु की दो योजना भ्रष्टचार ने या अज्ञानता, लापरवाही ने फेल की यह तो प्रतिपक्ष भी अभी तक जनता की टेबल पर हिसाब किताब नहीं रख सका तो जनता लोकतंत्र में किससे अपेक्षा रखे।

चर्चा प्रमुख रूप से यह भी हे कि मंदसौर की आधीआबादी के लिए जल संरक्षण के स्रोत तेलिया तालाब को लेकर हर कोई चिंतित है। लेकिन ऐसी कोई चिंता राजनीतिक दलों के नेताओं और अधिकारियों को क्यों नहीं है यह करोडों का आश्चर्य हो तो कौन जाने। मंदसौर में तेलिया तालाब को लेकर ग्रीन ट्रिब्यूनल का फैसला तक आ गया लेकिन सरकारी महकमें व नेताओं के माथे पर सल तक नहीं है आए। इस फैसले के बाद तो तेलिया तालाब का भविष्य सुनिश्चित कर दिया जाना चाहिए था और यदि यह हो जाता तो इसके जल ग्रहण क्षेत्र में बनी कॉलोनीयों की समीक्षा कर ठोस कदम उठाए जाने थे। राजस्व विभाग ने बंद कर रखी आंखों को खोलना चाहिए और यह क्या हो गया और हो रहा है इसकी और तुरत देखना चाहिए। इस तालाब में मिल रहे गंदे पानी को रोकना चाहिए और वे जो नई कालोनियां आई और जो कोई आने वाली होगी उनके गंदे पानी को कहा निकाला जाएगा बताना चाहिए। तालाब में वर्ष भर भरा रहे पानी और दुर-दुर के पक्षी यहां विचरण करने आये,नगर की आधी आबादी के लिए यह महत्वपूर्ण जल सरंक्षण महत्वपूर्ण बना रहे इसकी जिम्मेदारी सभी राजनीतिकदलों को लेनी चाहिए।नगर के नागरिक भी पानी से भरे तेलिया तालाब का आनंद ले सके ऐसा कब तक होगा। पक्षी यहां विचरण करने , यह मध्यप्रदेश शासन को बताना चाहिए।विदेशी पक्षी आते रहे जैसा एक मौसम में होता आया हैयह कब निश्चित किया जाएगा।वर्षा ऋतु मैं इस तालाब में बहकर आने वाले पानी तक के रास्ते को रोकने का प्रयास किया गया किंतु ना शासन और ना प्रशासन को परवाह।देखी गई।इतना बडा तालाब आज क्या शासन बनाकर नागरिकों के पेयजल के लिए उपलब्ध करवा सकता

महावीर अग्रवाल

है वह भी नगर के मध्य।नियमो की अनदेखी तो यहां तक हो गई की शासकीय जमीन पर डामर रोड कब और किसने बनाई।कौन बताएगा। प्रशासन भी चुप्पी थाने बैठा हे वरना कुछ तो इस घटना में सख्त कदम सामने आने थे लेकिन मिलीभक्ति जिंदाबाद ही कहा जा सकता हे।

मुख्यमंत्री जी को चाहिए की जहां जल संरक्षण की बात वे जोर देकर करते हैं और प्रदेश में उन्होंने इस दिशा में कई योजनाएं स्वीकृत की है। वैसे धरातल पर कदम उठाकर तेलिया तालाब को भूमाफियाओं से बचाने के दमदार वाले ठोस कदम उठाए वरना तो एक समय ऐसा भी आ सकता है की यह पानी की एक डबरी मात्र रह जाए तो कोई आचार्य नहीं होगा। इसके जल भरण क्षेत्र को भी सुरक्षित करना होगा इस क्षेत्र में जिन कॉलोनीयों की नगर एवं ग्राम विकास विभाग ने मंजूरी दी है वे सब निरस्त की जना चाहिए क्योंकी पानी की आवक जहां रूकेगी वहीं इन कोलोनियों का गंदा पानी आखिर जाएगा कहाँ ।यह प्रशासन बताये या एक समय पुरी नई आबादी क्षेत्र में बदबु का साम्राज्य होगा। 2041 तक के लिए मास्टर प्लान बनाने की कवायद चल रही हे।बैठक में एक बात और यह बताई गई की मन्दसौर की 6 लाख से अधिक की आबादी का ध्यान इस 2041 के लिए बनाए जा रहे मास्टर प्लान में रखकर यह देखना बहुत ही निहायत होगा कि जब वर्तमान में मंदसौर की डेढ लाख की आबादी को 25 लाख रु खर्च के बनाई गई कलाभाटा बांध योजना व कोई 75 लाख रु खर्च कर चंबल।नदी से लाए गए पानी की योजनाभी सफल नहीं हो पाई तो 6 लाख से अधिक की आबादी क्या पानी की बूंद बूंद के लिए तरस जाएगी।इसी प्रकार आज डेढ।लाख की आबादी की यातायात व्यवस्था पुलिस नहीं संभाल पा रही हे तो पुलिस 6 लाख से अधिक की आबादी की जनसंख्या के यातायात कैसे संभाल लेगी। गालियां यही।सडके यही। फिर क्या आसमान की तरफ देखेंगे।श्रीमान जी मंदसौर अभी शायद डेढ लाख की आबादी के लगभग है। अभी एक दो वर्षों में हीं देख लो तो यातायात की जटिल हुई समस्या दिन पर दिन और जटिल हो रही हे लेकिन कोई किसी का ध्यान नहीं। नगर में कई जगह चौराहे लगते हैं ।नागरिक अपनी सूजबूज से हल निकाल कर आगे को बढते हैं ।नई आबादी में कई चौराहे आते हैं जरा इनकी दुरदशा दिन पर दिन बढती हुई देख लो ।कोई तो अशचार्य करेगा की यहां की यतायत व्यवस्था कैसी ध्वस्त हो गई हे। लोग किस सुझबुझ से वाहन निकाल रहे हैं। शायद देश में बिना यातायात पुलिस के यह एक उदाहरण होगा नगर में ऐसा लगता नहीं की यातायात पुलिस है । जाम की जगह तो यातायात पुलिस बताओ इनाम पाओ भी कह सकते हैं। वाह रे पुलिस प्रशासन तेरा भी क्या कहना 21वीं सदी में यह एक उदाहरण है ।आज यातायात की यह स्थिति है तो फिर 2041 की 6 लाख से अधिक की जनसंख्या के समय क्या स्थिति होगी। बैठक में क्यों विचार नहीं किया गया। मंदसौर में एक समय तीसरी और कोई चौथी मंजिल होगी तो वहां तक नलों से प्रेशर से पानी पहुंच रहा था। नल के नीचे नहाने पर प्रेशर से सर में आभास होता था लेकिन देखते ही देखते ये क्या से क्या हो गया देख रहे हे।अब 2041 को ध्यान में रख कर मास्टर प्लान बन रहा हे लेकिन पीने के पानी व नगर की ध्वस्त हुई यातायात व्यवस्था का क्या होगा क्यों ध्यान नहीं रखा गया। बैठक में इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय नहीं लिया गया। लोकतंत्र में ऐसी समस्या क्या अतीत के झरोखों से देखने के जटिल रूप में छोडी जा रही है। लोकतंत्र में आश्चर्य हे प्रतिपक्ष पर।जनता इसके भरोसे योजनाओं पर बेहतर काम की अपेक्षा रखती हे लेकिन यह तो स्मृति चिन्ह अवशेष के लिए छोड रही हो ऐसा लगता हे। देखो समय क्या करवट लेता हे जैसा पेयजल योजनाओं का हश्र बडे आराम से लोकतंत्र नेता देख रहे हैं। 2041 तक इंतजार करना होगा।

पानी की आवक- बीते दो दिनो की बारिश से शहर की पेयजल आपूर्ति में सहायक डेमो में पानी की आवक शुरु हो गई है। राजस्थान व एमपी की बार्डर पर स्थित कंथार डेम लबालब होकर छलक गया है। वहीं आजाद जलाशय अर्थात मिर्जापुरा डेम में पानी की आवक शुरु हो गई है। जल्द ही कालाभाटा और रामघाट बैराज में भी पानी की आवक की संभावना है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस 2025 इंदौर में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। 26 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर, नारकोटिक्स विंग इंदौर कार्यालय में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में ज़ोनल डायरेक्टर एनसीबी इंदौर श्री रितेश रंजन, गणमान्स नागरिक व समाजसेवी उपस्थित थे।डीएससी एनिमेशन इंदौर और डोरमा यूनिवर्सिटी इंदौर के छात्रों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने रील्स, मीम्स और शॉर्ट फिल्मों के माध्यम से रचनात्मक रूप से मादक पदार्थों के खतरों पर संदेश दिए, जिससे युवा और आम नागरिक आसानी से जुड़ सकें। इस

अवसर पर के.पी. वेंकाटेश्वर राव, अति. पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स, भोपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ श्री महेश चंद्र जैन, उप पुलिस महानिरीक्षक नारकोटिक्स, इंदौर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान, अति. पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स श्री राव ने मादक पदार्थों की रोकथाम और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए mppolicenarcoticd.in नामक एक नई वबे साइट लॉन्च की। यह वबे साइट मादक पदार्थों के बारे में जानकारी प्रदान करने और उनसे संबंधित सूचनाएं साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगी। इसके अतिरिक्त, नागरिकों को मादक पदार्थों से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए व्हाट्सएप नंबर 7049100785 भी जारी किया गया।

मंदसौर को महाकवि कालिदास से पहचान दिलाने का संकल्प

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, मप्र संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय कालिदास प्रसंग का समापन ओर सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में हुआ। इस सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया थे, विशिष्ट अतिथि रूप में कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग सम्मिलित हुई एवं अध्यक्षता कृषि वैज्ञानिक नरेंद्र सिंह सिपानी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती व महाकवि कालिदास के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।

मुख्य अतिथि श्री सिसोदिया ने कहा कि कालिदास की जन्मस्थली मंदसौर है, यह बात इतिहास और मेघदूतम् जैसे ग्रंथों में अष्टमूर्ति यानी पशुपतिनाथ के उल्लेख से प्रमाणित होती है। उन्होंने जोर दिया कि मंदसौर को कालिदास के नाम से जोडने के प्रयास और तेज हों, उन्होंने कहा, 'हमने रावण और यशोधर्मन की प्रतिमाएं तो स्थापित की हैं, अब समय है कि कालिदास की प्रतिमा भी स्थापित की जाए,

ऑडिटोरियम का नाम उनके नाम पर हो।उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे साहित्य, लेखन और संस्कृति के संरक्षण में सहभागी बनें। 'हमारा जिला सिर्फ अफीम और ड्रग्स के लिए नहीं जाना जाए, बल्कि कालिदास की प्रेरणा के लिए पहचाना जाए।' उन्होंने यह बात जोर देकर कही। साथ ही सोशल मीडिया पर सकारात्मकता फैलाने और कालिदास को गर्व से मंदसौर का बताने का आग्रह भी किया। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि दो दिवसीय आयोजन में कालिदास को लेकर विचारों की सुंदर प्रस्तुति हुई। 'किसी भी आयोजन की सफलता भीड से नहीं, बल्कि गुणवत्ता से तय होती है।' उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन कालिदास प्रसंग को स्थायित्व देने तथा जनप्रतिनिधियों, लेखक, विचारकों और युवाओं को इससे जोड़ने के प्रयास करेगा।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि यह आयोजन लगातार भव्य रूप ले रहा है। इसे स्थाई स्वरूप देने के लिए सतत कार्य हो रहे हैं कृषि वैज्ञानिक नरेंद्र सिंह सिपानी ने कहा कि इतिहासकारों द्वारा मंदसौर को कालिदास की जन्मस्थली प्रमाणित किया गया है, इसलिए यह धरती उनके नाम से जानी जानी चाहिए। समारोह में महाकवि कालिदास साहित्य पर आधारित संस्कृत श्लोक पाठ, संभाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के प्रेरक शिक्षकों तथा मालती गेहलोत को रंगोली चित्रण के लिए सम्मानित किया गया। आयोजनों में सहयोग देने वाले सक्रिय सहयोगियों को भी सम्मानित किया गया। कालिदास अकादमी उज्जैन के कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार बारोड ने अतिथियों का अकादमी की ओर से शाल ओढाकर पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया। राजाराम तंवर द्वारा मंचासीन अतिथियों ओर अतिथि विद्वानों का साफा बांधकर, शाल श्री फल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन कालिदास प्रसंग के स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी ने किया, आभार कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार बारोड ने माना। समारोह में नगर के प्रबुद्धजन कैलाश चंद्र पांडेय ,मदन लाल राठौड डॉ.रवींद्र कुमार सोहनी,विक्रम विद्यार्थी, नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी, पं.अरुण शर्मा ,अशोक शर्मा,सतीश नागर, विजय सिंह पुरावत,अशोक कुमार कुमठ,डॉ. रवींद्र पांडेय,भगवती प्रसाद गेहलोद, लोकेश पालीवाल,अजय बडोलिया, कन्हैया लाल भाटी,रमेश चंद्र चंद्रे राजाराम तंवर, डॉ. दिनेश तिवारी ,के आर सूर्यवंशी, डॉ. प्रतिभा श्रीवास्तव,जयेश नागर ,नगेन्द्र श्रीवास्तव,श्रीमती अर्चना दवे,महेश कुमार त्रिवेदी, नरेंद्र भावसार,नंद किशोर राठौर, अजीजुल्लाह खान खालिद, कांतिलाल राठौर,सुदीप दास, बंशीलाल टांक,गिरिजा शंकर रूनवाल दिलीप कुमार जोशी,सुनील व्यास नंद किशोर पाटीदार तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, विद्यालयों के शिक्षक गण विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता आदि बडी संख्या में उपस्थित थे।

आज निकलेगी भव्य जगन्नाथ यात्रा

रथ में विराजित होकर भगवान जगन्नाथ, बलदेव व सुभद्रा निकलेंगे भक्तों को आशीर्वाद देने

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। इस्कॉन मंदसौर के तत्वावधान में आज 28 जून, शनिवार को दोपहर 2 बजे शहर के घंटाघर से ऐतिहासिक भव्य जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन किया गया हैं, जिसमें उज्जैन निर्मित रथ में भगवान जगन्नाथ, बलदेव महाराज और सुभद्रा महारानी के लगभग तीन-तीन फीट उँचे श्रीविग्रह विराजित रहेंगे। ये विशिष्ट प्रतिमाएं सीधे जगन्नाथ पुरी से लाई गई थीं। इस रथयात्रा में सभी भक्तों को भगवान की रथ की रस्सी खींचने का भी सौभाग्य प्राप्त होगा। रथयात्रा मार्ग पर भक्त भगवान की आरती कर सकेंगे व भोग भी लगा सकेंगे।

इस्कॉन के धीरज पोरवाल ने बताया कि शास्त्रों में कहा गया है कि रथ की रस्सी खींचने व भगवान के दर्शन मात्र से ब्रह्महत्या का पाप नष्ट हो जाता है और भक्तों के जीवन में कल्याण आता है। जनकल्याण के लिये इस्कॉन द्वारा मंदसौर में तीसरे वर्ष भी भव्य रथयात्रा निकाली जा रही है। रथयात्रा की शुरुआत घंटाघर से होगी यह नेहरू बस स्टैंड, गांधी चौराहा, बीपीएल चौराहा, सरकारी बाजार रोड, लक्ष्मीबाई चौराहा, संजीत रोड से होकर आदिनाथ विहार मार्ग पर स्थित कम्बल केंद्र के समीप स्थित गार्डन तक पहुंचेगी, जहाँ यात्रा का समापन भगवान को 56 भोग के अर्पण व महाप्रसादी के साथ होगा। महाप्रसादी में 4-5 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। भक्तों की सुविधा हेतु सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

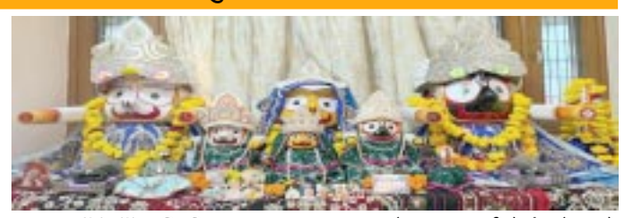

रथ यात्रा में ये होंगे सम्मिलित- रथयात्रा में भगवान के शाही रथ के साथ ही राधा मदन मोहन मंदिर की झांकी, बैलगाडियाँ और इस्कॉन के युवा कलाकारों द्वारा बैंड पार्टी आकर्षक कीर्तन व नृत्य का आयोजन आकर्षण का केंद्र होगा। रथयात्रा समाप्ति पर गार्डन में धार्मिक नृत्य, नाटक का आयोजन भी रखा गया है। रथयात्रा में उज्जैन, इंदौर, नीमच, रतलाम एवं आसपास के क्षेत्रों से लगभग 50 हजार भक्तों के सम्मिलित होने का अनुमान है। जगन्नाथ पुरी से मंदसौर आये श्रीविग्रह- भव्य रथयात्रा की पूर्व संध्या भगवान जगन्नाथ, बलदेव महाराज और सुभद्रा महारानी के श्रीविग्रह मंदसौर आये। मंदसौर में इस्कॉन के भक्तों सहित नगरवासियों ने भावपूर्ण रूप से उनका पुष्प वर्षा व नृत्यकर उनका भव्य स्वागत किया। इन श्रीविग्रहों को शाही रथ पर सवार किया जाएगा तत्पश्चात् मंदसौर भ्रमण पर निकलेंगे व भक्तों को आशीर्वाद देंगे।

अर्पित धनगर ने एडीएम को तस्वीर भेंट की

मनासा, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। आर्ट कला का कोई समय स्थान नही होता कला अपने आप मे एक अनुभव है। जो हम आप आमजन तक साझा करते है। ऐसे ही हमारे क्षेत्र के होनहार छात्र अर्पित धनगर निवासी भदवा जो अभी बी.फारमेसी की पढाई कर रहे है। वह बचपन से ही पेन्टिंग बनाने के शोकिन थे। फालतू समय मे उन्होंने पेन्सिल से पेन्टिंग बनाने का काम किया जो अब वे इस मुकाम पर पहुंचे है, कि किसी की भी हुबहू स्केच पेन्टिंग बना सकते है। उन्होंने अपनी कला को आगे बढाने को लेकर ,पत्रकार मुकेश शर्मा के साथ एस.डी.एम पवन बारिया से मुलाकात कर उनकी हुबहु स्केच पेन्टिंग बनाकर ससम्मान भेट की जिस पर श्री बारिया ने होनहार छात्र की तारीफ की और आगे इस क्षेत्र मे काम करने व प्रशासन से जो भी मदत होगी देने की बात कही इस अवसर पर राजेश प्रजापति, अंकित धनगर, लखन धनगर उपस्थित थे।

विजय परिहार को बनाया नगर उपाध्यक्ष

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस।

गुजराती सेन समाज नगर मंदसौर के अध्यक्ष शेखरराज चौहान ने बताया कि समाज के वरिष्ठजनों, की आत्मीय अनुशंसा अनुसार सेन समाज के कर्मठ, योग्य कार्यकर्ता समाज प्रिय, संगठन प्रिय श्री विजय परिहार को गुजराती सेन समाज नगर उपाध्यक्ष बनाया गया। इससे समाज जनों में हर्ष बना है। सभी समाजजनों, युवाओं, वरिष्ठजनों, मित्रों ने उन्हें बधाई शुभकामना दी है।

सहकार भारती की मासिक बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। सहकार भारती की मासिक बैठक भगत काम्पलेक्स में मंदसौर कमर्शियल सहकारी साख संस्था मंदसौर के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। सर्वप्रथम सहकारी भारती के संस्थापक लक्ष्मणरावजी इनामदार की तस्वीर पर माल्यार्पण किया जाकर दीप प्रज्वलित किया गया। सहकार भारती के जिलाध्यक्ष मोहनसिंह राजावत ने सहकार गीत का वाचन किया। तत्पश्चात् सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखते हुए सहकार भारती की सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को जोडने का निर्णय लिया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुनील खडखोदकर ने किया। आभार जिला कोषाध्यक्ष शिवमंगलसिंह राणा ने माना। बैठक में अध्यक्ष मोहनसिंह राजावत, जिला महामंत्री सुनील खडखोदकर, जिला महिला प्रमुख श्रीमती अलका गर्ग, जिला कार्यालय मंत्री प्रहलाद माहेश्वरी, जिला मंत्री राजाराम तंवर, जिला उपभोक्ता सहप्रमुख अजीजुल्लाह खान खालिद आदि उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	74	1901	2243
उडद	10	4000	5401
सोयाबीन	4981	3551	4275
गैहु	6465	2229	2725
चना	372	4811	5410
मसुर	89	5800	6471
धनिया	146	4900	6880
लहसुन	13000	3001	9500
मैथी	497	3353	6768
मुंगफली	1173	3871	5271
अलसी	981	6670	7240
सरसो	271	6354	6521
तारामीरा	0000	00000	00000
इसबगोल	44	8800	11200
प्याज	3869	270	1190
कलोंजी	27	18201	20400
तुलसी बीज	9	10750	14452
डॉलर	33	5750	7800
तिल्ली	316	6200	9200
जौ	12	2298	2311
मटरसुखी	4	2000	3201
असालीया	21	6300	6558
चियाबीज	61	10550	14851

कार्यालय नगर परिषद् पिपलियामंडी जिला मंदसौर मप्र

क्रमांक 642/राजस्व/2025 — **नामांतरण विज्ञप्ति** — **पिपलियामंडी दिनांक 27.06.2025**

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि नगर परिषद सीमा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित भवन / भूमि पर हक अंतरण हेतु निम्नाकित व्यक्तियो ने नगर पालिका अधिनियम की धारा 150 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किये है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :– अतः आवेदको के प्रस्तुत आवेदन के परिक्रम में हक अंतरण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित में कार्यालय नगर परिषद् पिपलियामंडी में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। समय तिथि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही की जायेगी।

क्रं.	वार्ड क्रं.	प्रकरण क्रं.	मोहल्ले का नाम	नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुतकर्ता आवेदक का नाम	व्यक्ति का नाम	परिवर्तन का आधार
1	2	3	4	5	6	7
1	4	27/2025	काचरिया मार्ग	नरेन्द्र सिंह पिता हिम्मतसिंह सिसौदिया	पियुष पिता प्रहलाद गर्ग	विक्रयपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
2	5	28/2025	महात्मा गांधी मार्ग (हंस विहॉर कॉलोनी)	अनिल कुमार पिता पारसमल जैन	दिनेश पिता लक्ष्मीचंद प्रजापति	विक्रयपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
3	10	29/2025	शासकीय चिकित्सालय मार्ग	राजेन्द्र कुमार पिता मांगीलाल पोरवाल	कांताबाई पति मांगीलाल पोरवाल	हकत्याग रजिस्ट्री आधार
4	4	30/2025	काचरिया मार्ग (बायपास मार्ग)	कुशालसिंह पिता उम्मेदसिंह शक्तावत	मुन्नीबाई पति ओप्रकाश शर्मा	विक्रयपत्र आधार
5	2	31/2025	फाटक मोहल्ला गली नं. 02	शंकर कुंवर पति गणपतसिंह राठौर व गोपालसिंह पिता भगवानसिंह राठौर	गणपतसिंह व गोपालसिंह पिता भगवानसिंह राठौर	मृत्यु प्रमाणपत्र आधार
6	15	32/2025	महात्मा गांधी मार्ग	तुलसीबाई पति हीरालाल शर्मा	हीरालाल पिता रामचन्द्र शर्मा	मृत्यु प्रमाणपत्र आधार
7	1	33/2025	पिपलियापंथ	रीतासिंह पिता कैलाश गुर्जर	नन्दुबाई पति रतनलाल गुर्जर	रजिस्टर्ड दान पत्र आधार
8	14	34/2025	हरिजन मोहल्ला	रामदेव, मुकेश व मनोहरलाल पिता मोहनलाल राठौर	गोगाबाई पति मोहनलाल राठौर	मृत्यु प्रमाणपत्र आधार
9	1	35/2025	पिपलियापंथ	बद्रीलाल पिता मांगीलाल गुर्जर	कुशालबाई पति मांगीलाल गुर्जर	रजिस्टर्डदानपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
10	1	36/2025	पिपलियापंथ	बद्रीलाल पिता मांगीलाल गुर्जर	कुशालबाई पति मांगीलाल गुर्जर	रजिस्टर्डदानपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
11	5	37/2025	महात्मा गांधी मार्ग (श्री वैंकटेश्वर कॉलोनी)	विरेन्द्रसिंह पिता उम्मेदसिंह बोराना	महेश व राजु पिता लालाराम माली व मु.आ. जसवंतसिंह पिता लालसिंह राजपुत	विक्रयपत्र, राजस्वि नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
12	12	38/2025	अंजुमन रोड गली नं. 05	शबनम बी पति सलीम खान	महेश पिता फकीरचंद खिंची	विक्रयपत्र आधार
13	11	39/2025	सरस्वती शिशु मन्दिर मार्ग	कमलाबाई पति राधेश्याम गुप्ता व कमलेश पिता राधेश्याम गुप्ता	राधेश्याम पिता रामचन्द्र गुप्ता	मृत्यु प्रमाणपत्र आधार
14	5	40/2025	महात्मा गांधी मार्ग गली नं. 01	सोनू पति मनीष धनोतिया	राधेश्याम पिता सत्यनारायण पोरवाल	विक्रयपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
15	5	41/2025	महात्मा गांधी मार्ग	देऊबाई पति विष्णुप्रसाद मालवीय	कमल पिता हरीश कुमार होतवानी	विक्रयपत्र आधार
16	15	42/2025	महात्मा गांधी मार्ग	निधी पति अनिल जैन	बन्दे अली पिता इनायत अली	विक्रयपत्र आधार
17	1	43/2025	पिपलियापंथ	लच्छीबाई पति शंकरलाल गुर्जर	कमलेश, कन्हैयालाल, कंचनबाई, सुगना बाईउर्फसुगनबाईव भुलीबाईपिता शंकरलाल गुर्जर	विक्रयपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
18	14	44/2025	महावीर गंज गली नं. 03	जीवन बाई पति अनिल गुर्जर	चन्दाबाई पति मदनलाल गुर्जर व जीवन बाई पति अनिल गुर्जर	मृत्यु प्रमाणपत्र आधार
19	5	45/2025	पुराना गाडी अड्डा	दीपादेवी पति नारायणदास होतवानी	कमलेश पिता रूपचंद होतवानी एचयूएफ व रामनिवास पिता नानालाल धनोतिया	विक्रयपत्र आधार
20	11	46/2025	शिक्षक कॉलोनी गली नं. 01	सुनीता पति देवेन्द्र पोरवाल व रानी पति शैलेन्द्र सोनी	रोनक पिता बलराम गुप्ता व सीमा पति रोनक गुप्ता	विक्रयपत्र आधार
21	1	48/2025	पिपलियापंथ	प्रेमलता पति घनश्याम पाटीदार व घनश्याम पिता प्रभुलाल पाटीदार	कलाबाई पति बालमुकन्द पिता मदनलाल परमार	विक्रयपत्र, राजस्व नामा. व व्यपवर्तन आदेश आधार
22	5	49/2025	भाचावत मार्केट गली नं. 02	मुकेश कुमार पिता नत्थुमल होतवानी	रमेशचन्द्र पिता चौथमल जैन	विक्रयपत्र आधार
23	12	50/2025	शिव मन्दिर गली	मो. ईस्माईल, मो. ईलियास, मो. इकराम, मो. इस्लाम, मो. ईरफान व मो. वसीम पिता ईब्राहिम कुरैशी	इब्राहिम पिता अब्दुल रहमान कुरैशी	मृत्यु प्रमाणपत्र आधार
24	5	51/2025	महात्मा गांधी मार्ग गली नं. 01	निधि पति रूपचंद मावर	ब्रजबाला पति राजेन्द्र पुरोहित	विक्रयपत्र आधार
25	2	52/2025	पिपलियापंथ मार्ग	बद्रीलाल पिता वर्दीचन्द पाटीदार	बद्रीलाल पिता वर्दीचन्द पाटीदार	स्वयं की भूमि की खसरा नकल व व्यवर्तन आदेश आधार

प्रवीण सेन
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद पिपलियामंडी

सुनील साहू
राजस्व प्रभारी
नगर परिषद पिपलियामंडी

श्रीमती वंदना कमल तिवारी
सभापति राजस्व समिति
नगर परिषद पिपलियामंडी

श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया
अध्यक्ष
नगर परिषद पिपलियामंडी

वर्षाकाल से जुड़ी दिक्कतों का समाधान तत्परता पूर्वक करें-मुख्यमंत्री

त्यौहारों पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, सजग और संवेदनशील रहें अधिकारी, कलेक्टर्स सहित वरिष्ठ अधिकारियों को दिए निर्देश

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले दो माह के प्रमुख त्यौहारों पर धार्मिक स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। नागरिकों के हित में प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशील और सजग होकर दायित्व पूरा करें। वर्षाकाल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाए। किसानों के लिए खाद और बीज की समुचित व्यवस्था रहे। नए शिक्षण सत्र के प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों, कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से चर्चा कर रहे थे।

नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता हो– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि इस माह 28 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। वर्षाकाल में आवश्यक प्रबंध किए जाएं। प्रदेश में एक से 26 जून तक हुई वर्षा 37 प्रतिशत अधिक है। अलीराजपुर और नीमच जिलों में सर्वाधिक वर्षा हुई है। अधिक वर्षा के अनुमान को देखते हुए रपटे और पुल आदि जहां पानी ऊपर से बह रहा है वहां बेरीकेड लगाए जाएं। नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। वर्षाकाल में नाले और नालियां समस्या बन रहे हों तो तत्परतापूर्वक समाधान का कार्य किया जाए। बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति में मुनादी, वाट्सएप, दूरभाष आदि का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना पहुंचाई जाए। इस संबंध में संवेदनशील होकर समय पर सभी दायित्व अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूरे किए जाएं। अतिवृष्टि से नागरिकों के बचाव के लिए होमगार्ड और अन्य आपदा राहत दल सक्रिय रहें। जिलों में बोट्स की भी आवश्यक व्यवस्था रहे।

सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकें– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि वर्तमान में सर्पदंश से नागरिकों को बचाने की जो व्यवस्थाएं हैं, उनका विस्तार करते हुए पंचायतों और थानों के स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। सर्पदंश से बचाव और उपचार का प्रशिक्षण देने की प्रदेश में शुरूआत हुई है, जो सराहनीय है। इस कार्य को निरंतर किया जाए। संभव हो तो कालबेलिया समुदाय के युवाओं को भी इस कार्य में अधिक दक्ष बनाकर उनकी सेवाएं ली जाएं। इन प्रयासों से वर्षाकाल में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों को बेहतर तरीके से बचाया जा सकता है।

कानून व्यवस्था– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे। सामान्य घटनाओं पर भी अनावश्यक मुद्दा बनाने और जिन प्रकरणों में कार्यवाही हो गई है उनको लेकर विवाद की स्थिति निर्मित करने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। प्रदेश में नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अच्छा हुआ है, इसके लिए सुरक्षा बल और उनके जवान बधाई के पात्र हैं।

श्रावण मास में सवारियों और यात्राओं के लिए करें जरूरी व्यवस्थाएं– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि आगामी दो महीनों में विभिन्न त्यौहारों पर जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। ओंकारेश्वर, उज्जैन और मंदसौर में श्रावण मास में सवारियों और कावड़ यात्रियों के आवागमन को देखते हुए जरूरी प्रबंध किए जाएं। जनजातीय कलाकारों और पुलिस बैंड के माध्यम से कार्यक्रमों को आकर्षक बनाया जाए। गत वर्ष इस नवाचार को आमजनता ने भी सराहा था इस वर्ष भी ऐसी ही व्यवस्था की जाए।

किसान कल्याण– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद, उर्वरक और बीज की व्यवस्था और आपूर्ति रखी जाए। इन वस्तुओं की किसी भी स्थिति में कालाबाजारी नहीं होना चाहिए। दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

विद्यार्थियों को मिलें पाठ्यपुस्तकें– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर्स यह देखें कि इस कार्य में लापरवाही न हो। किसी दुकान विशेष से महंगी दर पर कापी-किताब खरीदने को विवश न किया जाए। शीघ्र ही सांदीपनि विद्यालयों सहित अन्य विद्यालयों के लिए निर्मित नए कक्षों और सुविधाओं को लोकार्पित कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाए। यह कार्य मिशन मोड पर किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के लगभग 85 प्रतिशत नामांकन हुए हैं। शत-प्रतिशत नामांकन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

गौ शालाओं का उपयोग– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राजमार्गों और शहरों में सड़कों पर विचरण करने वाली गायों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए गौशालाओं तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। बड़ी गौशालाओं में व्यवस्था आसान है। अन्य गौशालाओं में भी अनुदान राशि बढ़ाई गई है। पशुपालक स्वयं भी गायों को सड़क पर न आने दें। सूखे स्थान की भी व्यवस्था की जाए जिससे गायें वहां बैठ सकें। प्रशासन द्वारा पशुपालकों को गौ-शालाओं की व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी जाए।

मातृ और शिशु स्वास्थ्य– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम एवं समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाए। एनीमिया नियंत्रण के लिए बहुआयामी प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी कलेक्टर्स से चर्चा कर निर्देश दिए।

पदोन्नतियों के लिए कार्यवाही– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नौ वर्ष के बाद अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति के महत्वपूर्ण निर्णय के प्रकाश में विभागों द्वारा समय-सीमा में सभी कार्यवाहियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक डंग के गृह क्षेत्र में भूमाफियाओं को तहसीलदार की शह...

शासकीय जमीन पर सरेआम अवैध निर्माण

सुवासरा, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर सहित आसपास के क्षेत्र में इन दिनों तहसीलदार और राजस्व कर्मचारियों की शह पर शासकीय जमीनों पर भूमाफिया का खेल एक बार फिर से जोर पकड़ने लगा है। मुख्य बात यह है कि यह कब्जे पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक के गृह क्षेत्र में फल फूल रहा है। इसका ताजा मामला रुणीजा रोड स्थित सर्वे नंबर 13 ग्राम पंचायत किशोरपुरा के अधीन आने वाली शासकीय जमीन पर भूमाफिया के द्वारा मकान का निर्माण किया जा रहा है। रूनिजा रोड़ स्थित सोनल तौल कांटे के समीप शासकीय जमीन पर भूमाफिया के द्वारा पक्का निर्माण किया जा रहा है।

तहसीदार को अवगत कराने के बाद भी भूमाफियों को शह– सर्वे नंबर 13 की शासकीय भूमि पर भूमाफिया ने बिना परमिशन के ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। नगर के कुछ जागरूक लोगों ने तहसीलदार मोहित सिनम और कस्बा पटवारी को इस बारे में जानकारी दी। लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। जागरूक लोगों ने पिछले 8 दिनों पूर्व ही राजस्व विभाग को अवगत करा दिया था। इसके बाद कार्रवाई होना तो दूर निर्माण कार्य और जोर शोर से चलने लगा। जो तहसीलदार और राजस्व कर्मचारियों पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े कर रहा है।

आपसी सांठगांठ के चलते अवैध कब्जे नजरअंदाज– सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भूमाफिया ने राजस्व विभाग के कर्मचारी और अधिकारियों से सांठ गाठ कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। विधायक हरदीप सिंह डंग के गृह क्षेत्र में इस तरह के खुल्लम-खुल्ला भूमाफियाओं के शासकीय जमीन पर कब्जे की चर्चा नगर में जोरों पर चल रही है। राजस्व अधिकारी गरीब लोगों के द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जे के दौरान तो तुरंत कार्यवाही कर देते है। लेकिन रसूखदार भूमाफियाओं के आगे प्रशासन नतमस्तक हो जाता है। क्षेत्र में ऐसी कई शासकीय जमीने है जिन्हें भूमाफिया कब्जा कर बैठे है। राजस्व विभाग को भी इसकी जानकारी रहती है। लेकिन आपसी तालमेल बैठाने के बाद राजस्व विभाग ऐसे कब्जो को नजरअंदाज कर देता है।

इनका कहना...

शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण करने की जानकारी मिली हैं इसे मैं कल दिखवाता हूं।

मोहित सीनम
तहसीलदार सुवासरा

सीजन जाते-जाते भी बाजार पर राज कर रहा आम

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। सालभर में ऐसी स्थिति भी बनती है जब किसान टमाटर के भाव नहीं मिलने से पशुओं को डालते नजर आते हैं। वहीं फलों का राजा कहा जाने वाला आम सीजन में भी उंचे दाम के कारण गरीबों की पहुंच से दूर रहता है। लेकिन, इस बार आम ने बाजार पर राज किया। इसका कारण है कि टमाटर से ज्यादा सस्ते आम मिल रहे हैं। जहां टमाटर साठ रुपए किलो है। वहीं आम पचास रुपए किलो बिक रहा है। जबकि, आम की सीजन की विदाई होने वाली है। इसके बाद भी अच्छी क्वालिटी के साथ आम बाजार में मिल रहे हैं। पिछले सालों में आम के दाम कम होने का कारण है अमेरिका। यूएस में इंडियन मैंगो का कंसाइंमेंट रिजेक्ट होने से इस बार आम के निर्यात पर असर देखने को मिला। इससे मप्र, उप्र, गुजरात और साउथ में पैदा होने वाले आम की प्रमुख वैरायटी इंडियन मार्केट में ही ज्यादा बिक रही हैं।

इस बार आम दस फीसदी सस्ता बिक रहा है। बेहतर उत्पादन और भरपूर आवक की वजह से आम सस्ता मिल रहा है। लगड़ा, दशहरी, चौसा, सफेदा की आवक ज्यादा है। जबकि, बादाम और तोतापरी की आवक भी बनी हुई हो गई है। केसर की आवक कम हो गई है। व्यापारिक जानकारों के मुताबिक इस बार यूपी और महाराष्ट्र में आम की रिकॉर्ड तोड़ पैदावार हुई है। यूपी के मलीहाबाद, सहारनपुर में दशहरी और लंगड़ा महाराष्ट्र में हापुस (अल्फांसो) की इस बार बेहतर पैदावार हुई है।

केसर ने हलकी की थी जेब...

मेहमान के रूप में इस साल गुजरात के आम 'केसर' ने ग्राहकों की जेब हल्की की। गुजरात में फसल सीजन में आए आंधी-तूफान ने फसल को कम कर दिया। व्यापारियो के मुताबिक केसर बिकने आया। लेकिन जल्द ही आवक कम हो गई। केसर को छोड़कर दूसरी वैरायटी के आम गत वर्ष से सस्ते बिके हैं। केसर महंगा बिककर लगभग खत्म भी हो गया।

सभ्य एवं शिक्षित समाज में नशे का कोई स्थान नहीं-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि यह दिन समाज को सतर्क एवं जागरूक करता है कि नशा नाश की जड़ है। सभ्य, उन्नतशील व शिक्षित समाज में इसके लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से कहा कि नशामुक्त समाज और प्रदेश को नशामुक्त बनाने के प्रयासों को गति देने में सभी सहयोग करें।

जमीन विवाद में मारपीट, दोनों पक्षों के 11 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज किया। लसुड़िया कदमाला निवासी मांगीलाल पिता मेहताब बावरी ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत को लेकर भतीजे कन्हैयालाल पिता गोपाल से विवाद चल रहा था। मामले में तहसीलदार न्यायालय ने मेरे पक्ष में फैसला दिया था। इसके बाद मैं बेटे दशरथ व जमाई दिनेश के साथ बुआई करने गया था। जहां कन्हैयालाल के साथ ही उसके मौसी के लडके बोरखेड़ी कला निवासी पवन बावरी, चंगेरी निवासी बाबूलाल पिता गोरधन बावरी, अंगूरीबाई पति कन्हैयालाल बावरी व सम्पतबाई पति गोपाल ने मिलकर गाली-गलौज की व मारपीट की। पुलिस ने पांचों आरोपियों पर केस दर्ज किया। इसी तरह बाबू पिता गोवर्धन बावरी ने शिकायत दर्ज कराई कि खेत से आ रही थे, रास्ते में मांगीलाल बावरी, उसका लड़का दशरथ व नाहरसिंह, गोर्धन बावरी, गणपत बावरी व दिनेश बावरी ने रास्ता रोककर गाली-गलौज की व मारपीट की। बीच-अचाव करने आई मामी लालीबाई को भी चोंटे आई। पुलिस ने सभी छह आरोपियों पर केस दर्ज किया।

दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं-मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की राज्य स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन के सदस्यों के साथ बैठक, दिव्यांग मतदाताओं के नाम जुड़वाने को लेकर की चर्चा

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री सुखवीर सिंह ने गुरुवार को निर्वाचन सदन भोपाल में राज्य स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाए जाने के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कमेटी के सदस्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं के मताधिकार के दृष्टिगत आयोग द्वारा मतदान केन्द्रों में बुनियादी न्यूनतम सुविधाओं को सुदृढ बनाया गया है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, रैंप, बड़े अक्षरों में साइनेज, टोकन सिस्टम, बैठने की सुगम व्यवस्था, पीने का पानी, दिव्यागजनों के लिए अनुकूल शौचालय इत्यादि की व्यवस्था गई है। ही दिव्यांगजन अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सके साथ ही यह भी पता लगा सके, इसके लिए "PWD App" की सुविधा प्रदान की गई है। यह मोबाइल एप्लीकेशन ऐप है। दिव्यांग मतदाता द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप/एनव्हीएसपी पोर्टल के माध्यम से अपनी दिव्यांगता की स्थिति को अद्यतन कर सकता है। दृष्टिहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल लिपी में मतदाता परिचय पत्र एवं मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है। चुनाव से पूर्व दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और गैर सरकारी सगठनों इत्यादि को दिव्यागजनों से सम्मानपूर्वक बातचीत करने एवं उनकी आवश्यकताओं को पहचान कर उसके अनुरूप मतदान को अधिक सुलभ बनाने के लिये प्रशिक्षण दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि ऐसे दिव्यांग मतदाता, जिनका नाम मतदाता सूची में है और वे 40% से अधिक विकलांगता के मानक प्रमाण पत्र धारी हैं और मतदान केन्द्र तक पहुंचने में अक्षम हो उन्हें 12-D (डाक मतपत्र) के द्वारा मतदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। निर्वाचन के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिव्याजनों को मतदान एवं मतदान केन्द्र पर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए 'सक्षम ऐप' भी बनाया गया है। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि आने वाले मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण में बीएलओ द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। आयोग द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के लिए समय समय पर जारी किए जाने वाले दिशा निर्देशों के बारे में भी जानकारी दी गई।

उपार्जित गेहूँ का किसानों को हुआ 20197.77 करोड़ रुपये का भुगतान-खाद्य मंत्री

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ का भुगतान किसानों को कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 में स्वीकृत मात्रा 77 लाख 69 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का 20197.77 करोड़ रुपये का ऑनलाइन भुगतान किसानों को किया जा चुका है। इस तरह से स्वीकृत मात्रा के विरुद्ध किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान की कार्यवाही कर दी गयी है।

वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा मॉडल

मंदसौर, 27 जून गुरु एक्सप्रेस। वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन के कार्य में देश में मध्यप्रदेश मॉडल बनकर उभर रहा है। प्रदेश में वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। प्रदेश की सभी 15003 वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। पहले स्तर पर वक्फ बोर्ड द्वारा डिजिटलाइजेशन के कार्य का वेरिफिकेशन कर लिया गया है। दूसरे स्तर पर राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। अब तक कुल डिजिटलाइजेशन सम्पत्तियों में से 2425 सम्पत्तियों का वेरिफिकेशन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। प्रदेश में सर्वाधिक वक़्फ सम्पत्तियों वाले 11 जिलों में कुल वक़्फ सम्पत्तियों और डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि उज्जैन, विदिशा, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, इंदौर, धार, बुरहानपुर, देवास और मंदसौर जिलों की सभी वक़्फ सम्पत्तियों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। इनमें उज्जैन जिले की 1054, विदिशा जिले की 929, भोपाल जिले की 816, शाजापुर की 801, सीहोर की 699, रायसेन की 665, इंदौर की 645, धार की 638, बुरहानपुर की 573, देवास की 572 और मंदसौर जिले की 528 वक़्फ सम्पत्तियाँ शामिल हैं।

✻संयुक्त उठावना✻

स्व. सत्यनारायणजी रत्नावत (चन्दवासावाला) के ज्येष्ठ सुपुत्र,

जगदीशचंद्र, राजेंद्र, निरंजन, दयाल के बड़े भाई, अनूप, अर्पित, हिमांशु के बड़े पापा, निर्मल के पूज्य पिताजी एवं महत्व व अंश के दादाजी एवं राजेंद्र, विजय मजावदिया रतलाम वाले के कंवर सा. श्री कैलाशनारायण जी रत्नावत का स्वर्गवास हो गया है। जिनका उठावना आज 28 जून, शनिवार को दोप. 2 बजे पोरवाल छात्रावास मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
रत्नावत परिवार मंदसौर

M.P. PASCHIM KSHETRA VIDYUT VITARAN COMPANY LTD.
(STC) Division Mandsaur-458001
Corporate Identity Number (CIN) U40109MP2002SGC015121
Phone No. : 07422-255637, E-mail ID : stc.mandsaur007@gmail.com
No. : EE/STC/MDS/25-26/549 Mandsaur, Dated : 27.06.2025

ONLINE TENDER

Online Tenders are invited for following works :-

S. No.	Tender ID	Name of Work	Approx Value (in Lacs)	Tender Fees	EMD Amount
1	2025_MPPKV_433657_1	Estimate for the 33 kv line evacuation for Dhodhar D/c from new 132 kv tbcb Lasudiya mathi S/s under SSTD scheme.	31.27	2500/-	15000/-
2	2025_MPPKV_433667_1	Estimate for the 33 kv line evacuation for Ringnod D/c from newly constructed tbcb 132 kv Lasudiya mathi S/s under SSTD scheme.	43.46	2500/-	20000/-
3	2025_MPPKV_433671_1	Estimate for the 33 kv line evacuation for Kalukheda D/c from newly constructed 132 kv tbcb Lasudiya mathi S/s under SSTD scheme.	29.49	2500/-	15000/-

*Key dates and other information can be obtained/downloaded from website: - www.mpwz.co.in and http://mptenders.gov.in.
M.P. Madhyam/120864/2025 EXECUTIVE ENGINEER(STC)

in The Court of III Civil Judge, Senior Division, District Court, Mandsaur
Presiding Officer: राज कुमार त्रिपाठी
(आदेश 5 नियम 20 व्यहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC SUC/0000004/2024)
गौतम गनेडीवाल...... वादी विरुद्ध Process Id-/2025
एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेण्ट लिमिटेड....प्रतिवादी पेशी दिनांक: 28/07/2025
प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण
यह कि प्रार्थी गौतम गनेडीवाल ने आपके विरूद्ध विविध प्रकरण उत्तराधिकार अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 24 June 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया है।
न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
राज कुमार त्रिपाठी
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)
टिप्पणी:-कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

in The Court of III Civil Judge, Senior Division, District Court, Mandsaur
Presiding Officer: राज कुमार त्रिपाठी
(आदेश 5 नियम 20 व्यहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC SUC/0000007/2024) Process Id-/2025
गौतम गनेडीवाल...... वादी विरुद्ध पेशी दिनांक: 28/07/2025
केपिल टेक्नोलाजिस लिमिटेड युनिट रिलिफेस इंडस्ट्रीज युनिट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड. ....प्रतिवादी
प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण पता सर्वसाधारण
यह कि प्रार्थी गोतम गनेडीवाल ने आपके विरूद्ध विविध प्रकरण उत्तराधिकार अधिनियम के लिए बाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर याद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उत्त दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे यह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो बाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 25 जून 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
राज कुमार त्रिपाठी
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)
टिप्पणी:-कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

in The Court of III Civil Judge, Senior Division, District Court, Mandsaur
Presiding Officer: राज कुमार त्रिपाठी
(आदेश 5 नियम 20 व्यहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC SUC/0000016/2025)
गिरीश पारिख...... वादी विरुद्ध Process Id-/2025
सर्व साधारण....प्रतिवादी पेशी दिनांक: 16/09/2025
प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण पता सर्वसाधारण
यह कि प्रार्थी गिरीश पारीख ने आपके विरूद्ध विविध प्रकरण उत्तराधिकार अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 25 June 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया है।
न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
राज कुमार त्रिपाठी
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)
टिप्पणी:-कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

in The Court of III Civil Judge, Senior Division, District Court, Mandsaur
Presiding Officer: राज कुमार त्रिपाठी
(आदेश 5 नियम 20 व्यहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC SUC/0000006/2024)
गौतम गनेडीवाल...... वादी विरुद्ध Process Id-/2025
लिंक इंटाइम इंडिया प्रायवेट लिमिटेड....प्रतिवादी पेशी दिनांक: 28/07/2025
प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण पता सर्वसाधारण
यह कि प्रार्थी गौतम गनेडीवाल ने आपके विरूद्ध विविध प्रकरण उत्तराधिकार अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 25 June 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया है।
न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
राज कुमार त्रिपाठी
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)
टिप्पणी:-कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

in The Court of III Civil Judge, Senior Division, District Court, Mandsaur
Presiding Officer: राज कुमार त्रिपाठी
(आदेश 5 नियम 20 व्यहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC SUC/0000005/2024)
शीलाकुमारी बाकलीवाल...... वादी विरुद्ध Process Id-/2025
टीएसआर कंसलटेंट प्रायवेट लिमिटेड....प्रतिवादी पेशी दिनांक: 28/07/2025
प्रेषिती
(1) सर्वसाधारण पता सर्वसाधारण
यह कि प्रार्थी शीला कुमारी बाकलीवाल ने आपके विरूद्ध विविध प्रकरण उत्तराधिकार अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 25 June 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया है।
न्यायालय की मुद्रा
न्यायाधीश
राज कुमार त्रिपाठी
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड मंदसौर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)
टिप्पणी:-कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कार्यालय जिला पंचायत, जिला मंदसौर (म.प्र.)
क्रमांक /मनरेगा/वाहन/2025/2062 मंदसौर, दिनांक-26.06.2025

// निविदा हेतु विज्ञप्ति //

जिले में ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के संचालन एवं सतत निरीक्षण एवं मानिटरिंग हेतु मनरेगा योजना के तहत डीजल वाहन की आवश्यकता है जो मासिक किराये अनुबंधित कर लिया जावेगा।

क्रं.	वाहन का प्रकार	वाहन का प्रकार	वाहन संख्या
1	कार्यालयीन उपयोग हेतु	ईनोवा नवीन वाहन	01 वाहन
2	कार्यालयीन उपयोग हेतु मनरेगा योजना	डीजल वाहन	01 वाहन
3	कार्यालयीन उपयोग हेतु ग्रामीण आवास योजना	डीजल वाहन	01 वाहन
4	कार्यालयीन उपयोग हेतु वाटरशेड योजना	डीजल वाहन	01 वाहन

इच्छुक निविदाकर्तागण दिनांक 14.07.2025 तक अपरान्ह 2 बजे तक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर अपरान्ह 3 बजे तक जमा कर सकते है। प्राप्त निविदा दिनांक 15.07.2025 को सायं 4 बजे खोली जावेगी।

निविदा संबंधी विस्तृत शर्तो का अवलोकन Mandsaur.nic.in तथा कार्यालय जिला पंचायत मंदसौर में कार्यालयीन (अवकाश छोड़कर) समय में देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in